Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

Original Article

सार्क राष्ट्रों के शाश्वत विकास हेतु मानव विकास सूचकांक का महत्व

गौतम विक्रम भालेराव
संशोधक छात्र
Email-glvbhalerao@gmail.com

Manuscript ID:
JRD -2025-170927
ISSN: 2230-9578
Volume 17
Issue 9(A)
Pp.134-138
September 2025

Submitted:23 Aug. 2025
Revised: 4 Sept. 2025
Accepted: 21 Sept. 2025
Published: 30 Sept. 2025

सारांश

दक्षिण एशिया का क्षेत्र, जहाँ सार्क (SAARC) देशों का समावेश है, विश्व की लगभग एक-चौथाई आबादी को आश्रय प्रदान करता है। इस क्षेत्र में आर्थिक प्रगति, सामाजिक संरचना और राजनीतिक परिस्थितियों में गहन विविधता देखने को मिलती है। क्षेत्रीय विकास का आकलन केवल सकल घरेलू उत्पाद (GDP) से करना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि वास्तविक प्रगति नागरिकों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर की गुणवत्ता से परिलक्षित होती है। मानव विकास सूचकांक (HDI) इन पहलुओं को मापने का एक सशक्त साधन है। प्रस्तुत शोध-पत्र में इस बात का विश्लेषण किया गया है कि किस प्रकार HDI को आधार बनाकर सार्क राष्ट्र शाश्वत एवं समावेशी विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

संकेत शब्द : *SAARC,HDI,GDP,UNDP,SDGs.*

प्रस्तावना

मानव विकास सूचकांक (HDI) की अवधारणा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने सन् 1990 में प्रस्तुत की थी। यह सूचकांक परंपरागत आर्थिक प्रगति के मापदंड, जैसे सकल घरेलू उत्पाद (GDP), का वैकल्पिक रूप माना जाता है। केवल GDP वृद्धि के आधार पर किसी राष्ट्र के विकास का आकलन करना अधूरा है, क्योंकि आर्थिक संपन्नता के साथ-साथ नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच, शैक्षिक अवसरों की उपलब्धता और जीवन की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

HDI को तीन मूल आयामों के आधार पर मापा जाता है:

1. **स्वास्थ्य (Health):** जन्म के समय जीवन प्रत्याशा, जो स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण और जीवनशैली की स्थिति को दर्शाती है।
2. **शिक्षा (Education):** औसत अध्ययन वर्ष और अपेक्षित अध्ययन वर्ष, जो समाज में ज्ञान स्तर और कौशल क्षमता को परिलक्षित करते हैं।
3. **जीवन स्तर (Standard of Living):** प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI), जो नागरिकों की आर्थिक स्थिति और जीवन स्तर की दिशा को इंगित करती है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) के अंतर्गत आने वाले आठ सदस्य राष्ट्र – भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान – सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से एक-दूसरे से भिन्न हैं।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:
गौतम विक्रम भालेराव, संशोधक छात्र

How to cite this article:
भालेराव, . गौतम . विक्रम . (2025). सार्क राष्ट्रों के शाश्वत विकास हेतु मानव विकास सूचकांक का महत्व. Journal of Research and Development, 17(9(A)), 134–138. https://doi.org/10.5281/zenodo.17511568

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.17511568
OPEN ACCESS

Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

जहाँ श्रीलंका और मालदीव स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं, वहीं अफगानिस्तान और पाकिस्तान अभी भी मानव विकास के कई मानकों पर पिछड़े हुए हैं। इस सन्दर्भ में HDI केवल विकास का सूचकांक नहीं है, बल्कि यह नीति-निर्माताओं के लिए ऐसा मार्गदर्शक उपकरण है जो शाश्वत और समावेशी विकास की दिशा दिखाता है। यदि सार्क राष्ट्र अपनी विकास योजनाओं और नीतियों में स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर को प्राथमिकता देते हुए HDI आधारित रणनीतियों को अपनाएँ, तो क्षेत्र में गरीबी उन्मूलन, सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संतुलन जैसे शाश्वत लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है। इस प्रकार, मानव विकास सूचकांक दक्षिण एशिया में शाश्वत विकास की आधारशिला सिद्ध हो सकता है।

सार्क देशों का मानव विकास सूचकांक (2023 डेटा)

देश	HDI मूल्य	जन्म के समय आयु (वर्ष)	अपेक्षित शिक्षा वर्ष	औसत शिक्षा वर्ष	प्रति व्यक्ति GNI (PPP $)
श्रीलंका	0.776	80.6	13.6	10.7	6,970
मालदीव	0.766	82.8	14.1	7.4	12,134
भूटान	0.698	73.0	13.2	5.8	13,843
बांग्लादेश	0.685	74.7	12.3	6.8	8,498
भारत	0.685	72.0	13.0	6.9	9,047
नेपाल	0.622	70.4	13.8	4.5	4,726
पाकिस्तान	0.544	67.6	7.9	4.3	5,501
अफ़ग़ानिस्तान	0.496	66.0	10.8	2.5	1,972

स्रोत (Source):
UNDP – United Nations Development Programme
"Human Development Report 2023-24" (डेटा वर्ष 2023)
वेबसाइट: hdr.undp.org

1. सार्क राष्ट्रों की मानव विकास सूचकांक (HDI)स्थितिदक्षिण एशिया के आठ सार्क राष्ट्रों में मानव विकास सूचकांक का स्तर समान नहीं है। प्रत्येक देश की सामाजिक-आर्थिक संरचना, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तथा राजनीतिक स्थिरता के आधार पर HDI में उल्लेखनीय अंतर दिखाई देता है।

श्रीलंका और मालदीव: इन दोनों देशों का HDI अन्य सार्क राष्ट्रों की तुलना में अधिक है। इसका प्रमुख कारण उच्च साक्षरता दर, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ और अपेक्षाकृत स्थिर सामाजिक ढाँचा है। विशेष रूप से श्रीलंका ने शिक्षा व स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है, जबकि मालदीव ने पर्यटन और सेवा क्षेत्र से प्राप्त आय का उपयोग मानव विकास पर किया है।

भारत, भूटान, बांग्लादेश और नेपाल: ये देश मध्यम श्रेणी में आते हैं। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का समान वितरण चुनौतीपूर्ण है। बांग्लादेश ने हाल के वर्षों में महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया है। नेपाल और भूटान ने भी शिक्षा व जीवन स्तर को उन्नत करने में उल्लेखनीय प्रगति की है, किन्तु अब भी ढाँचागत असमानताएँ बनी हुई हैं।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान: इन देशों का HDI स्तर अपेक्षाकृत निम्न है। राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवाद, गरीबी और शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में सीमित निवेश इसके प्रमुख कारण हैं। अफगानिस्तान विशेष रूप से संघर्ष और असुरक्षा के कारण मानव विकास के अधिकांश सूचकांकों में पीछे है। कुल मिलाकर, सार्क देशों की HDI स्थिति यह दर्शाती है कि क्षेत्रीय स्तर पर असमान विकास मौजूद है। कुछ देशों ने शिक्षा व स्वास्थ्य में निवेश कर उच्च स्थान प्राप्त किया है, जबकि अन्य देश राजनीतिक व सामाजिक चुनौतियों के कारण पिछड़ रहे हैं।

2. शाश्वत विकास हेतु HDI का महत्व

(क) गरीबी उन्मूलन : मानव विकास सूचकांक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह केवल आर्थिक उत्पादन को नहीं, बल्कि मानव कल्याण को मापता है। जब किसी राष्ट्र में शिक्षा की गुणवत्ता सुधरती है और स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ होती हैं, तो वहाँ की कार्यशील आबादी की उत्पादकता बढ़ती है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव गरीबी के स्तर पर पड़ता है। उच्च शिक्षा के कारण युवाओं में रोजगार की संभावनाएँ बढ़ती

Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

हैं, जबकि सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाएँ श्रमशक्ति को अधिक प्रभावी बनाती हैं। इस प्रकार HDI गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक प्रमुख उपकरण सिद्ध होता है।

(ख) लैंगिक समानता : HDI का महत्व तभी पूर्ण रूप से समझा जा सकता है जब इसे लैंगिक दृष्टिकोण से देखा जाए। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार में सहभागिता किसी भी समाज के लिए प्रगति का आधार है। Gender Development Index (GDI) और Gender Inequality Index (GII) जैसे सूचकांक HDI के पूरक रूप में महिलाओं की स्थिति को दर्शाते हैं। यदि महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध हों, तो आर्थिक उत्पादन, सामाजिक न्याय और राजनीतिक सहभागिता तीनों क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

(ग) पर्यावरणीय संतुलन : शाश्वत विकास केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है। यदि विकास की प्रक्रिया पर्यावरण को नष्ट कर दे, तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए विनाशकारी सिद्ध होगी। HDI में स्वास्थ्य और जीवन स्तर के आयाम यह संकेत देते हैं कि स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल और सुरक्षित पर्यावरण मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। हरित तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीतियाँ HDI को दीर्घकालिक रूप से मजबूत आधार देती हैं। इस प्रकार पर्यावरणीय संतुलन शाश्वत विकास का अभिन्न हिस्सा है।

(घ) मानव संसाधन सशक्तिकरण : शिक्षा और कौशल विकास किसी भी राष्ट्र की वास्तविक पूँजी है। जब नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल मिलते हैं, तो वे नवाचार, उद्यमिता और औद्योगिक विकास में योगदान कर सकते हैं। HDI इन पहलुओं को रेखांकित करता है और यह दिखाता है कि केवल आय बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि मानव संसाधन को सशक्त बनाना ही स्थायी प्रगति का आधार है।

3. चुनौतियाँ

(क) जनसंख्या वृद्धि व गरीबी : सार्क राष्ट्रों में जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत अधिक है। तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार, आवास, भोजन एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव बनता है। परिणामस्वरूप गरीबी का दायरा बढ़ता है और मानव विकास सूचकांक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विशेषकर अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश जैसे देशों में गरीबी उन्मूलन अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

(ख) राजनीतिक अस्थिरता व आतंकवाद : कई सार्क देशों की आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद मानव विकास के प्रयासों को बाधित करते हैं। अफगानिस्तान में लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष और पाकिस्तान में आंतरिक आतंकवादी गतिविधियों के कारण शिक्षा एवं स्वास्थ्य ढाँचे पर गंभीर असर पड़ा है। राजनीतिक अस्थिरता विकास नीतियों के क्रियान्वयन में विलंब उत्पन्न करती है और दीर्घकालिक योजनाओं को अधूरा छोड़ देती है।

(ग) जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक आपदाएँ : दक्षिण एशियाई क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। बांग्लादेश और मालदीव समुद्र-स्तर वृद्धि से प्रभावित होते हैं, जबकि नेपाल और भूटान हिमनदों के पिघलने की समस्या से जूझ रहे हैं। भारत और श्रीलंका में चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएँ अक्सर जीवन स्तर को प्रभावित करती हैं। इन परिस्थितियों में मानव विकास सूचकांक की स्थिरता बनाए रखना कठिन हो जाता है।

(घ) स्वास्थ्य सेवाओं व शिक्षा में असमानता : सार्क देशों के बीच ही नहीं, बल्कि प्रत्येक देश के भीतर भी स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का वितरण असमान है। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में सेवाएँ बेहतर उपलब्ध होती हैं। गरीब वर्ग और महिलाएँ अक्सर इन सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। शिक्षा एवं स्वास्थ्य में असमानता HDI के तीनों आयामों (स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर) को सीधे प्रभावित करती है।

4. समाधान व रणनीति

(क) क्षेत्रीय सहयोग : सार्क राष्ट्रों को यह समझना होगा कि विकास की चुनौतियाँ केवल राष्ट्रीय स्तर पर सीमित नहीं हैं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर साझा हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी नवाचार जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देकर संसाधनों का समुचित उपयोग किया जा सकता है। उदाहरणार्थ, श्रीलंका की स्वास्थ्य व्यवस्था और भारत की औषधि उद्योग क्षमता को अन्य सार्क देशों तक पहुँचाया जाए तो पूरे क्षेत्र का HDI स्तर सुधर सकता है।

(ख) नीति सुधार :मानव विकास सूचकांक को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय को प्राथमिकता देनी आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाना, साथ ही उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना, दीर्घकालिक सुधार की दिशा में प्रभावी कदम होंगे। इसके साथ ही, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास को भी नीति का हिस्सा बनाना चाहिए।

Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

(ग) शाश्वत विकास लक्ष्यों (SDGs) के साथ समन्वय : संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 2030 एजेंडा के तहत 17 सतत विकास लक्ष्य (SDGs) मानव विकास सूचकांक से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। यदि सार्क देश अपनी नीतियों को SDGs के अनुरूप तैयार करें, तो गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता और जलवायु कार्यवाही जैसे आयामों पर तीव्र प्रगति संभव हो सकेगी।

(घ) महिला व युवा सशक्तिकरण : किसी भी समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है जब उसमें सभी वर्गों की समान भागीदारी हो। महिलाओं और युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों से सशक्त बनाना मानव विकास का अनिवार्य अंग है। Gender Development Index (GDI) और Youth Development Index (YDI) को नीति निर्माण में शामिल करके लैंगिक समानता और नवाचार क्षमता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

निष्कर्ष

दक्षिण एशिया का क्षेत्र, जहाँ विश्व की एक-चौथाई जनसंख्या निवास करती है, विकास की अपार संभावनाओं के साथ-साथ अनेक चुनौतियों से भी जूझ रहा है। केवल आर्थिक वृद्धि, विशेषकर GDP की वृद्धि, विकास का सम्पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं कर सकती। यदि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ, समान शिक्षा के अवसर और सम्मानजनक जीवन स्तर उपलब्ध नहीं हैं, तो उस विकास को अधूरा ही माना जाएगा। मानव विकास सूचकांक (HDI) इस दृष्टि से नीति निर्माताओं को एक सटीक दिशा प्रदान करता है। यह सूचकांक आर्थिक संपन्नता के साथ-साथ सामाजिक समानता, लैंगिक न्याय, मानव संसाधन सशक्तिकरण और पर्यावरणीय संतुलन की आवश्यकता पर बल देता है। सार्क राष्ट्रों में HDI का स्तर असमान है, लेकिन क्षेत्रीय सहयोग और साझा रणनीतियों के माध्यम से इस अंतर को कम किया जा सकता है। श्रीलंका और मालदीव जैसे अपेक्षाकृत उच्च HDI वाले देशों के अनुभव से भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल जैसे मध्यम श्रेणी वाले राष्ट्र सीख सकते हैं। वहीं अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे निम्न HDI वाले देशों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और शांति स्थापना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

यदि सार्क राष्ट्र संयुक्त रूप से HDI उन्मुख नीतियों को अपनाएँ और उन्हें सतत विकास लक्ष्यों (SDGs-2030) से जोड़ें, तो गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता, रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति संभव है। इस प्रकार, मानव विकास सूचकांक केवल आँकड़ों का संग्रह न होकर, सार्क क्षेत्र के लिए शाश्वत और समावेशी विकास की आधारशिला सिद्ध हो सकता है।

सिफ़ारिश :

1. शिक्षा व स्वास्थ्य पर निवेश बढ़ाना:
   सार्क देशों की सरकारों को अपने वार्षिक बजट का बड़ा हिस्सा शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय करना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण विद्यालय, उच्च शिक्षा संस्थान और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ ही मानव विकास की आधारशिला हैं।
2. क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करना:
   SAARC मंच को केवल राजनीतिक वार्तालाप तक सीमित न रखकर, शिक्षा, विज्ञान-तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य ढाँचे में आपसी सहयोग के लिए सक्रिय बनाया जाए।
3. लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय को प्राथमिकता:
   महिलाओं और कमजोर वर्गों को समान अवसर प्रदान करने के लिए Gender Development Index (GDI) और Gender Empowerment Measures (GEM) को नीतियों में समाहित करना आवश्यक है।
4. तकनीकी नवाचार व डिजिटल सशक्तिकरण:
   युवाओं के लिए डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएँ। इससे क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक प्रगति को गति मिलेगी।
5. पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना:
   नवीकरणीय ऊर्जा, हरित तकनीक और जलवायु अनुकूल नीतियाँ अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जाए। इससे शाश्वत विकास और HDI दोनों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
6. SDGs-2030 के साथ नीतिगत समन्वय:
   प्रत्येक सार्क देश को अपनी राष्ट्रीय योजनाओं को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप बनाना चाहिए, ताकि क्षेत्रीय और वैश्विक विकास समान गति से हो।

Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

Reference

1. United Nations Development Programme (2024). Human Development Report 2023: Uncertain Times, Unsettled Lives. New York: UNDP. https://hdr.undp.org/en/2023-report
2. Ranis, G., Stewart, F., & Samman, E. (2006). Human Development: Beyond the HDI. Journal of Human Development, 7(3), 323–358.
3. UNDP.1990.Human Development Report 1990. New York: United nations Development Program
4. MkW uUuojs ,e. ds. (2023) ekuoh fodklkps vFkZ"kkL= iq.ks:fo|k iOyhds"kUl- ISBN :978-81-19118-10-6
5. MkW <e<sjs ,l-Ogh- (2021) "kk"or fodkl vkf.k Hkkjr iq.ks: Diamond Publications ISBIN 978819529071
6. Maitra, S., & Bajpai, S. (2023). *भारत, श्रीलंका और सार्क क्षेत्र: इतिहास, लोकसंस्कृती और धरोहर.* राउटलेज.
7. आवारी, वि.(2021). *भारत व सार्क.* साधना प्रकाशन.
8. प्रभारकर पब्लिकेशन.(2022). *सार्क देशांचा इतिहास (YCMOU HIS283).*